अध्याय 1 : परिप्रेक्ष्य

एक प्रक्रिया प्लेटफॉर्म

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) एक एकीकृत अन्वेषण तथा उत्पादन कंपनी है (इसके पश्चात 'कंपनी' के रूप में संदर्भित है) जिसने भारत के हाइड्रोकार्बन उत्पादन (2016-17) में 64 प्रतिशत योगदान किया है। इसके कुल कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन का लगभग 75 प्रतिशत पश्चिमी अपतट क्षेत्र से होता हे। कंपनी, वर्तमान में देश के पूर्वी अपतट क्षेत्र में अन्वेषण कार्य कर रही है जहां इसने 2001-02 से 2017-18 तक 23 गैस फील्ड की खोज की है, इन खोजो में से 14 का मुद्रीकरण कार्यान्वयन अधीन है। कंपनी नें 31.03.2018 तक पश्चिमी अपतट में 17 प्लेटफॉर्मों[1] का परिचालन किया है तथा 36 ड्रिलिंग रिग्स[2] का परिनियोजन किया है एंव पूर्वी अपतट में तीन मानवरहित प्लेटफॉर्म का परिचालन तथा पांच ड्रिलिंग रिग्स का परिनियोजन किया है।

fMfyx fjx

कंपनी की समुद्री लौजिस्टिक्स सेवाएं सहज अन्वेषण तथा उत्पादन कार्यों के लिए अपेक्षित विभिन्न प्रकार की सामग्रियों/उपकरण को स्टोर करके तथा आपूर्ति करके प्लेटफॉर्मों तथा रिगों ('कार्य स्टेशन/कार्य स्थल संबोधित किया जाए) को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करती है। यह इन कार्य स्टेशनों (स्टैण्डबाई कार्य) को सुरक्षा सेवाएं तथा रिगों को एक स्थान से दूसरे स्थान (रिग आवागमन) पर स्थानांतरित करने के लिए टोईंग सेवाएं भी प्रदान करती है।

---

[1] *एक अपतट संरचना जो स्थायी रूप से समुद्र तल से लगी हुई है।*

[2] *एक ड्रिलिंग इकाई जो अस्थायी रूप से समुद्र तल से लगी हुई है अर्थात् एक ड्रिलशिप, एक अर्द्ध-पनडुब्बी अथवा जैक-अप से लगी हुई है।*

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक ने 2002 की लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संख्या 4 में पश्चिमी अपतट पोतों के निष्पादन की समीक्षा की। इसमें 31 मार्च 2000 को समाप्त पांच वर्षों की अवधि के लिए अपतट पोतों की आवश्यकता के निर्धारण, परियोजना, मरम्मत तथा स्वामित्व वाले अपतट आपूर्ति पोतों (ओएसवी) के रखरखाव के परिचालन तथा अनुरक्षण के लिए दिए अनुबंध के बारे में सम्मिलित किया गया है। हाइड्रोकर्बन क्षेत्र के बारे में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की 2005 की लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संख्या 6 (वाणिज्यिक) में लेखापरीक्षा के निष्कर्षों पर मंत्रालय के जवाबों को शामिल किया गया है। लेखापरीक्षा के निष्कर्षों में पाए गए सुधार को सम्मिलित करके अनुलग्नक 1 में दर्शाया गया है। लेखापरीक्षा ने पाया कि पूर्व समीक्षा में दर्शाए गए अधिकतम मुद्दों को कंपनी द्वारा संबोधित/पूर्ण रूप से संबोधित नहीं किया गया है।

1.1 पोतों के प्रकार

कंपनी विभिन्न प्रकारों तथा क्षमताओं के स्वामित्व वाले तथा किराए पर लिए पोतों दोनों से बने एक बेड़े का परिचालन करती है। **ओएसवी** का प्रयोग प्रमुख रूप से स्टैण्डबाई कार्यों के लिए तथा कभी-कभी आपूर्ति कार्यों के लिए किया जाता है। विन्चों से सुसज्जित **एकंर हैंडलिंग टग एंव आपूर्ति (ए.एच.टी.एस.) पोतों** का उपयोग प्रमुख रूप से रिग आवागमन के लिए किया जाता है। जब भी, कोई रिग आवागमन नहीं होता, तब ए.एच.टी.एस. का उपयोग स्टैण्डबाई कार्य तथा संयत मात्रा में आपूर्ति करने के लिए किया जाता है। **प्लेटफॉर्म आपूर्ति पोतों (पीएसवी)** को विशेष रूप से ड्रिलिंग रिगों तथा अपतट प्लेटफॉर्मों को कार्गो की आपूर्ति करने के लिए बनाया गया है।

1.2. आपूर्ति बेस

पश्चिमी अपतट तथा पूर्वी अपतट में रिगो तथा प्लेटफॉर्मों को सामग्री की आपूर्ति को क्रमश: मुम्बई के समीप न्हावा आपूर्ति बेस (एनएसबी) तथा काकीनाड़ा पर काकीनाड़ा आपूर्ति बेस (केएसबी) से प्रबंधित किया जाता है।

1.3 संगठनात्मक संरचना

कंपनी का समुद्री लौजिस्टिक्स डिविजन, निदेशक (अपतट) के सम्पूर्ण नियंत्रण के तहत कार्य करता है। पश्चिमी अपतट में, इसकी अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक (मुख्य लौजिस्टिक्स सेवाए) द्वारा की जाती है जिसकी सहायता महाप्रबंधक-समुद्री निर्माण,

समुद्री आपूर्ति बेस, समुद्री योजना, सामग्री प्रबंधन, वित्त तथा उप-महाप्रबंधक (मरम्मत तथा अनुरक्षण) द्वारा की जाती है। पूर्वी अपतट में, उप महाप्रबंधक/मुख्य प्रबंधक - लौजिस्टिक्स, बन्दरगाह परिचालनों, ओएसवी परिचालनों तथा सतही लौजिस्टिक्स से बने दल की अध्यक्षता उप महाप्रबंधक, प्रभारी लौजिस्टिक्स करता है।

1.4 वित्तीय निष्पादन

2012-13 से 2016-17 तक की समयावधि के दौरान समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों पर कंपनी द्वारा किए गए व्यय को निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

तालिका-1.1: समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों पर व्यय (आंकड़े ₹ करोड़ में)

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
पूंजीगत	95.14	39.67	28.77	48.99	21.76
ठेकागत	904.22	898.01	1175.55	1712.83	1345.66
श्रमबल	47.60	63.60	49.20	57.82	72.60
कलपुरजे	0.03	0.13	0.08	0.09	0
भंडार	525.76	1320.08	1472.12	1288.71	1369.22
अन्य	10.15	9.81	10.52	10.26	12.11
कुल	1582.90	2331.30	2736.24	3118.70	2821.35

स्रोत: ओएनजीसी/वित्त द्वारा प्रदत्त आंकडे

समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों का प्रमुख व्यय पोतों को किराए पर लेने, हाई फ्लैश हाई स्पीड डीजल[3] (एच.एफ.एच.एस.डी.) की खरीद तथा ओएनजीसी के स्वामित्व वाले पोतों की परिचालन एवं प्रबंधंन (ओ एंड एम) लागतों पर था। समुद्री लौजिस्टिक्स परिचालनों पर ₹ 1,582.90 करोड़ (2012-13) से ₹ 2821.35 करोड़ (2016-17) तक व्यय में वृद्धि प्रमुख रूप से पोतों के परिनियोजन में वृद्धि, रिगो तथा प्लेटफॉर्मों में एचएफएचएसडी के उपभोग में वृद्धि, (पोतों द्वारा एच.एफ.एच.एस.डी. के उपभोग में वृद्धि) ईंधन की लागत में वृद्धि, यूएस डॉलर की विदेशी विनिमय दर में ₹ 54.45 (2012-13) से ₹ 67.08 (2016-17) तक उर्ध्वगामी संशोधन की वजह से थी। चार्टर पोत का किराया यूएस डॉलर में देय है।

---

[3]सामन्यत: एचएफएचएसडी जो कि हाई फ्लस हाई स्पीड डीजल है उसका उपयोग सुमद्री अनुप्रयोग तथा फिशिंग पोतों के हेतु होता है।

एक अपतट आपूर्ति पोत (ओएसवी)